अनुक्रमणिका

SHIVAJI UNIVERSITY
KOLHAPUR

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''साहित्यकार संजीव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' पृ. 1 - 13

प्रस्तावना

1.1 व्यक्तित्व

1.1.1 जन्म

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 बचपन

1.1.4 व्यवसाय

1.1.5 शिक्षा

1.1.5.1 छात्रजीवन

1.1.5.2 गुरु

1.1.6 नौकरी

1.1.7 विवाह

1.1.7.1 संतानें

1.1.8 अभिरुचि

1.1.9 रहन-सहन

1.1.10 राम संजीवन का संजीव

1.1.11 अंतरंग व्यक्तित्व

1.2 कृतित्व

1.2.1 उपन्यासकार संजीव

1.2.2 कहानीकार संजीव

1.2.3 किशोर उपन्यास

1.2.4 अन्य रचनाएँ

1.2.5 प्राप्त पुरस्कार

1.2.6 अन्य विशेषताएँ

1.2.7 फिल्में

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''संजीव की कहानियाँ : वस्तुपरक विवेचन'' पृ.14-59

प्रस्तावना

2.1 कहानियों में कथावस्तु का महत्त्व

2.2 विवेच्य कहानियों का वस्तुपरक विवेचन

2.2.1 तीस साल का सफरनामा

2.2.2 आप यहाँ हैं

2.2.3 भूमिका और अन्य कहानियाँ

2.2.4 दुनिया की सबसे हसीन औरत

2.2.5 प्रेतमुक्ति

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''विवेच्य कहानियों में प्रस्तुत दलित-जीवन'' पृ.60-96

प्रस्तावना

3.1 रहन-सहन और निवास व्यवस्था

3.2 खान-पान

3.3 व्यसनाधीनता

3.4 शिक्षा व्यवस्था

3.5 आर्थिक स्थिति एवं व्यवसाय

3.6 अंधविश्वास

3.7 जाति भेदाभेद

3.8 संगठन एवं समूहभावना

3.9 राजनीतिक स्थिति

3.10 लोककथा

3.11 लोकगीत

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''विवेच्य कहानियों में प्रस्तुत दलित-समस्याएँ'' पृ.97-149

प्रस्तावना

4.1 आर्थिक समस्या

4.1.1 रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या

4.2 अशिक्षा की समस्या

4.3 व्यसनाधीनता की समस्या

4.3.1 सामाजिक अशांति

4.3.2 आर्थिक दुर्बलता

4.4 बाढ़ की समस्या

4.5 अंधविश्वास की समस्या

4.5.1 शुभ-अशुभ की समस्या

4.5.2 मन्नत की समस्या

4.5.3 पाप-पुण्य की समस्या

4.5.4 ओझा, टोना-टोटका की समस्या

4.5.5 भूत-प्रेत की समस्या

4.5.6 अंधविश्वास की अन्य समस्याएँ

SHIVAJI UNIVERSITY KOLHAPUR

4.6 जातिभेद की समस्या

4.6.1 छुआ-छूत की समस्या

4.6.2 हिंदू-मुस्लिम भेदभाव

4.7 धर्मपरिवर्तन की समस्या

4.7.1 शादी ब्याह की समस्या

4.8 भ्रष्टाचार

4.8.1 कानूनी भ्रष्टाचार

4.8.2 राजनीतिक भ्रष्टाचार

4.8.3 सरकारी भ्रष्टाचार

4.9 शोषण की समस्या

4.9.1 ठेकेदार द्वारा शोषण

4.9.2 धार्मिक व्यक्ति द्वारा शोषण

4.9.3 जमींदार द्वारा शोषण

4.9.4 मजदूर शोषण

4.9.5 पुलिस द्वारा शोषण

4.9.6 राजनीतिक लोगों द्वारा शोषण

4.9.7 छात्रावास में शोषण

4.9.8 नारी शोषण

4.9.8.1 पारिवारिक शोषण

4.9.8.2 यौन-शोषण

निष्कर्ष

पंचम अध्याय – ''विवेच्य कहानियों में प्रस्तुत दलित-विद्रोह'' पृ.150-176

प्रस्तावना

5.1 *विद्रोह व्युत्पत्ति एवं अर्थ*

5.2 *विद्रोह के विभिन्न अर्थ*

5.3 *विद्रोह : स्वरूप, तात्पर्य तथा अर्थ*

5.4 *विवेच्य कहानियों में प्रस्तुत विद्रोह*

5.4.1 समाज के प्रति विद्रोह

5.4.2 उच्च वर्ग के प्रति विद्रोह

5.4.3 धर्म के प्रति विद्रोह

5.4.4 मजदूरों का विद्रोह

5.4.5 सवर्ण-दलित विद्रोह

5.4.6 दलित-विद्रोह

5.4.7 नारी-विद्रोह

5.4.8 आदिवासी-विद्रोह

5.4.9 बेरोजगार युवकों का विद्रोह

5.4.10 मन-ही-मन में विद्रोह

5.4.11 असफल विद्रोह

निष्कर्ष

उपसंहार पृ.177- 188

परिशिष्ट पृ.189-199

संदर्भ ग्रंथ सूची पृ.200-204